License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

एज्रा 1:2

यहोवा ने यरूशलेम में उनके लिए एक भवन बनाने के लिए किसे नियुक्त किया?

यहोवा ने कुस्रू को यरूशलेम में उनके लिए एक भवन बनाने के लिए नियुक्त किया।

एज्रा 1:4

यरूशलेम में मन्दिर के पुनर्निर्माण के लिए लौटने वाले यहूदी लोगों के लिए चाँदी, सोना, धन और पशु कौन प्रदान करेगा?

मन्दिर के पुनर्निर्माण के लिए यरूशलेम लौटने वाले यहूदी लोगों को उसी क्षेत्र में रहने वाले यहूदी पुरुषों द्वारा चाँदी, सोना, धन और पशु प्रदान किया जाना था।

एज्रा 1:7

नबूकदनेस्सर ने यहोवा के भवन की वस्तुएँ कहाँ रखी थीं?

नबूकदनेस्सर ने यहोवा के भवन की वस्तुओं को अपने देवताओं के भवन में रख दिया था।

एज्रा 1:11

जब बन्धुए बाबेल से यरूशलेम गए तो शेशबस्सर अपने साथ कितनी सोने और चाँदी की वस्तुएँ लाया था?

जब बन्धुए बाबेल से यरूशलेम गए तो शेशबस्सर 5,400 सोने और चाँदी की वस्तुएँ लाया।

एज्रा 2:1

बाबेल में रहने वाले यहूदियों को कौन बँधुआई में ले गया था?

राजा नबूकदनेस्सर बाबेल रहने वाले यहूदियों को बँधुआई में ले गया था।

एज्रा 2:62

कुछ याजकों के वंशजों को याजकपद से क्यों निकाला गया?

उन्हें याजकपद से निकाला गया क्योंकि वे अपनी वंशावली की पोथियों को ढूँढ नहीं सके।

एज्रा 2:63

याजकों के वंशज परमपवित्र वस्तु को कब खा सकते थे?

याजकों के वंशज, किसी याजक के ऊरीम और तुम्मीम धारण करने के बाद ही परमपवित्र वस्तु को खा सकते थे।

एज्रा 2:70

अपने-अपने नगरों में कौन रहते थे?

याजक और लेवीय और लोगों में से कुछ और गवैये और द्वारपाल और नतीन लोग अपने-अपने नगरों में रहते थे।

एज्रा 3:2

येशुअ, याजक, जरूब्बाबेल और उसके भाई क्या करने के लिए खड़े हुए?

वे इस्राएल के परमेश्वर की वेदी बनाने के लिए उठे ताकि उस पर होमबलि चढ़ाई जा सके।

एज्रा 3:3

येशुअ, याजकों, जरूब्बाबेल और उसके भाइयों ने यहोवा को कितनी बार होमबलि चढ़ाई?

उन्होंने सवेरे और साँझ को यहोवा के लिए होमबलि चढ़ाई।

एज्रा 3:7

लबानोन से समुद्र के रास्ते याफा तक देवदार की लकड़ी को भेजने की अनुमति किसने दी?

फारस के राजा कुस्रू ने देवदार की लकड़ी को लबानोन से समुद्र के रास्ते याफा भेजने की अनुमति दी थी।

एज्रा 3:8

यह काम कब आरम्भ हुआ?

यह काम इस्राएलियों के यरूशलेम में परमेश्वर के भवन में आने के बाद दूसरे वर्ष के दूसरे महीने में आरम्भ हुआ।

एज्रा 3:11

मन्दिर की नींव रखे जाने के बाद सभी लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

सभी लोगों ने यहोवा की स्तुति में ऊँचे शब्द से जयजयकार किया क्योंकि मन्दिर की नींव रखी जा चुकी थी।

एज्रा 3:12

पहले भवन को देखने वाले लोगों ने दूसरे भवन की नींव देखने के बाद कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

वे फूट फूटकर रोने लगे।

एज्रा 4:1

यहूदा और बिन्यामीन के शत्रुओं ने क्या सुना कि बँधुआई से छूटे लोग क्या कर रहे थे?

यहूदा और बिन्यामीन के शत्रुओं ने सुना कि बँधुआई से छूटे हुए लोग इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के लिये एक मन्दिर बना रहे थे।

एज्रा 4:2

यहूदा और बिन्यामीन के शत्रु कब तक कहते रहे कि वे स्वयं यहोवा के लिये बलि चढ़ाते रहे हैं?

यहूदा और बिन्यामीन के शत्रुओं ने कहा कि वे स्वयं अश्शूर के राजा एसर्हद्दोन के दिनों से यहोवा को बलि चढ़ाते आ रहे हैं।

एज्रा 4:4–5

उस देश के लोग यहूदियों के साथ क्या कर रहे थे?

उस देश के लोग यहूदियों को निराश कर रहे थे, और उन्हें डराकर मन्दिर बनाने में रुकावट डाल रहे थे, और उनके मनोरथ को निष्फल करने के लिये वकीलों को रुपया दे रहे थे।

एज्रा 4:5

देश के लोगों ने कब तक यहूदियों को निराश किया और उन्हें मन्दिर बनाने से डराया और उनके मनोरथ को निष्फल करने के लिये उनके विरुद्ध वकीलों को रुपया देते रहे?

फारस के राजा कुस्रू के जीवन भर, और फारस के राजा दारा के राज्य तक उस देश के लोग यहूदा के लोगों से ऐसा ही करते रहे।

एज्रा 4:6

क्षयर्ष के शासनकाल के आरम्भिक दिनों में यहूदा और बिन्यामीन के शत्रुओं ने क्या लिख भेजा?

क्षयर्ष के शासनकाल के आरम्भिक दिनों में शत्रुओं ने यहूदा और यरूशलेम के निवासियों के विरुद्ध दोषपत्र लिख भेजा।

एज्रा 4:12

शत्रुओं ने राजा को यरूशलेम के बारे में क्या बताया?

शत्रुओं ने राजा से कहा कि यरूशलेम एक दंगैत नगर है।

एज्रा 4:19

शत्रुओं द्वारा राजा को भेजी गई चिट्ठी पढ़कर सुनाए जाने के बाद राजा ने क्या किया?

शत्रुओं द्वारा राजा को भेजी गई चिट्ठी पढ़कर सुनाए जाने के बाद, राजा ने आदेश दिया कि अभिलेख की पुस्तक की खोज की जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शत्रुओं ने यरूशलेम के विद्रोह के पिछले इतिहास के बारे में जो लिखा था, वह सच है या नहीं।

एज्रा 4:24

यरूशलेम में परमेश्वर के भवन का काम कितने समय तक रुका रहा?

यरूशलेम में परमेश्वर के भवन का काम फारस के राजा दारा के शासन के दूसरे वर्ष तक रुका रहा।

एज्रा 5:1

भविष्यद्वक्ता हाग्गै और जकर्याह ने क्या किया?

उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर के नाम से यहूदा और यरूशलेम के यहूदियों के लिये नबूवत की।

एज्रा 5:2

यहूदी प्राचीन जरुब्बाबेल और येशुअ ने उठकर क्या किया?

यहूदी प्राचीन जरूब्बाबेल और येशुअ खड़े हुए और यरूशलेम में परमेश्वर के भवन को बनाने लगे।

एज्रा 5:5

क्या यहूदियों के पुरनियों ने मन्दिर बनाने का काम तब रोक दिया था जब वे राजा दारा द्वारा तत्तनै और शेतरबोजनै तथा उनके साथियों द्वारा भेजी गई चिट्ठी का उत्तर दिए जाने का इंतज़ार कर रहे थे?

यहूदियों के पुरनियों ने यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के पुनर्निर्माण का काम तब तक नहीं रोका जब तक वे राजा दारा द्वारा भेजी गई चिट्ठी का उत्तर देने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

एज्रा 5:8

तत्तनै, शतर्बोजनै, और उनके साथी अधिकारियों ने परमेश्वर के भवन पर काम का वर्णन कैसे किया?

उन्होंने लिखा कि काम फुर्ती से किया जा रहा है और सफल भी होता जा रहा है।

एज्रा 5:12

स्वर्ग के परमेश्वर ने यहूदियों के पुरखाओं को बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के हाथ में क्यों कर दिया था?

स्वर्ग के परमेश्वर ने यहूदियों को बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के हाथ में कर दिया क्योंकि उनके पुरखाओं ने उनके विरुद्ध पाप करके उन्हें रिस दिलाया था।

एज्रा 5:14

राजा कुस्रू ने राज्यपाल शेशबस्सर को क्या वस्तुएँ दे दीं?

राजा कुस्रू ने शेशबस्सर को परमेश्वर के भवन के सोने और चाँदी के पात्र दे दिए।

एज्रा 5:15

राजा कुस्रू ने शेशबस्सर को परमेश्वर के भवन के चाँदी और सोने के पात्रों के साथ क्या करने की आज्ञा दी?

राजा कुस्रू ने शेशबस्सर को आदेश दिया कि वह चाँदी और सोने के पात्र ले जाकर उन्हें यरूशलेम में परमेश्वर के मन्दिर में रख दे।

एज्रा 5:17

तत्तनै, शतर्बोजनै और उसके साथियों ने राजा से क्या अनुरोध किया?

उन्होंने राजा से अनुरोध किया कि वह राजभण्डार में खोज करके देखे कि क्या कुस्रू ने यरूशलेम में परमेश्वर का भवन बनाने की आज्ञा दी थी।

एज्रा 6:1

राजा दारा ने इस निवेदन पर क्या प्रतिक्रिया दी कि यह पता लगाने के लिए खोज की जाए कि क्या कुस्रू ने यरूशलेम में परमेश्वर का भवन बनाने का आदेश दिया है?

राजा दारा ने इस निवेदन का उत्तर देते हुए आज्ञा जारी करी कि पुस्तकालय में, जहाँ खजाना जमा किया गया था, खोज की जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह सच है कि राजा कुस्रू ने यरूशलेम में परमेश्वर का भवन बनाने का आदेश दिया था।

एज्रा 6:2

जब राजा दारा ने बाबेल के पुस्तकालय में खोज करने का आदेश दिया तो क्या मिला?

मादे नामक प्रान्त के अहमता के राजगढ़ में एक पुस्तक मिली।

एज्रा 6:3

राजा कुस्रू ने अपने पहले वर्ष में क्या किया था?

राजा कुस्रू ने यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के विषय में एक आज्ञा जारी करी थी।

एज्रा 6:4

राजा कुस्रू की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के निर्माण की लागत कैसे चुकाई जानी थी?

यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के निर्माण की लागत राजभवन द्वारा चुकाई जानी थी।

एज्रा 6:5

राजा कुस्रू के आदेश के अनुसार, परमेश्वर के भवन में क्या लौटाया जाना था?

राजा कुस्रू के आदेश के अनुसार, यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के सोने और चाँदी के पात्र, जिन्हें नबूकदनेस्सर बाबेल ले गया था, उन्हें यरूशलेम में परमेश्वर के भवन में वापस लाया जाना था।

एज्रा 6:7

राजा दारा ने कुस्रू का आदेश पढ़कर तत्तनै, शतर्बोजनै और उनके साथियों को यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के काम के विषय में क्या लिखा?

दारा ने तत्तनै, शतर्बोजनै और उनके साथियों को परमेश्वर के भवन के काम को रहने देने और उससे दूर रहने का आदेश दिया ताकि इसे सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

एज्रा 6:10

कुस्रू ने ऐसा क्यों कहा कि वह चाहता था कि यहूदियों को परमेश्वर का भवन बनाने के लिए जो कुछ भी चाहिए वह दिया जाए?

कुस्रू ने कहा कि वह चाहता था कि यहूदियों को परमेश्वर का भवन बनाने के लिए जो कुछ भी चाहिए वह दिया जाए ताकि यहूदी स्वर्ग के परमेश्वर को सुखदायक सुगन्धवाले बलि चढ़ा सकें और राजा और राजकुमारों के दीर्घायु के लिये प्रार्थना कर सकें।

एज्रा 6:11

दारा ने आदेश दिया था कि जो व्यक्ति आज्ञा बदलेगा उसके साथ क्या होगा?

दारा ने आज्ञा दी कि उस व्यक्ति के घर में से कड़ी निकाली जाए और कड़ी को सीधा खड़ा कर दिया जाए तथा जिस व्यक्ति ने आज्ञा को बदला है उसे कड़ी पर चढ़ाकर जकड़ा जाए तथा उसके घर को घूरा बनाया जाए।

एज्रा 6:14

हाग्गै और जकर्याह ने मन्दिर के पुनर्निर्माण के काम में यहूदी पुरनियों की कैसे मदद की?

हाग्गै और जकर्याह ने नबूवत की, और इससे यहूदी पुरनियों को मन्दिर के पुनर्निर्माण के उनके कार्य में सफलता प्राप्त करने में सहायता मिली।

एज्रा 6:15

मन्दिर के पुनर्निर्माण का कार्य कब समाप्त हुआ?

मन्दिर के पुनर्निर्माण का कार्य राजा दारा के शासन के छठवें वर्ष के अदार महीने के तीसरे दिन समाप्त हुआ।

एज्रा 6:20

याजकों और लेवियों ने किसके लिये फसह के पशुबलि किए?

याजकों और लेवियों ने बँधुआई से आए हुए सब लोगों, अपने भाइयों, याजकों और अपने लिये फसह के पशुबलि किए।

एज्रा 6:22

यहूदी लोग अख़मीरी रोटी का पर्व आनन्द के साथ क्यों मनाते थे?

यहूदियों ने अख़मीरी रोटी का पर्व आनन्द के साथ मनाया क्योंकि यहोवा ने उन्हें आनन्दित किया था, और अश्शूर के राजा का मन उनकी ओर फेर दिया था, ताकि वह परमेश्वर के भवन के पुनर्निर्माण के काम में उनकी सहायता करे।

एज्रा 7:6

एज्रा का व्यवसाय क्या था?

वह मूसा की व्यवस्था में एक निपुण शास्त्री था।

एज्रा 7:9

एज्रा बाबेल से लम्बी यात्रा करके यरूशलेम सुरक्षित क्यों पहुँचा?

एज्रा बाबेल से लम्बी यात्रा के बाद यरूशलेम सुरक्षित पहुँच गया क्योंकि उसके परमेश्वर की कृपादृष्टि उस पर थी।

एज्रा 7:13

एज्रा के साथ यरूशलेम जाने की अनुमति किसे थी?

राजा अर्तक्षत्र ने यह आदेश जारी किया कि उसके राज्य का प्रत्येक व्यक्ति जो इस्राएलियों, याजकों और लेवियों में से एज्रा के साथ यरूशलेम जाने के लिए अपनी इच्छा से तैयार हो, एज्रा के साथ जा सकता है।

एज्रा 7:14

राजा और उसके सात सलाहकारों ने इस्राएलियों को यरूशलेम वापस क्यों भेजा?

राजा और उसके सात सलाहकारों ने इस्राएलियों को यरूशलेम वापस भेजा ताकि वे यहूदा और यरूशलेम के बारे में जान ले और राजा और उसके सलाहकारों द्वारा उनकी इच्छा से दी गई चाँदी और सोना ले आएं और बाबेल के समस्त प्रान्त में जो भी चाँदी और सोना उन्हें मिले, उसे भी ले आएं, साथ ही लोगों और याजकों द्वारा उनकी इच्छा से दी गई भेंट भी ले आएं।

एज्रा 7:16

राजा और उसके सात सलाहकारों ने इस्राएलियों को यरूशलेम वापस क्यों भेजा?

राजा और उसके सात सलाहकारों ने इस्राएलियों को यरूशलेम वापस भेजा ताकि यहूदा और यरूशलेम के बारे में पूछताछ की जा सके और वह चाँदी और सोना लाया जा सके जो राजा और उसके सलाहकारों ने अपनी इच्छा से भेंट किया था, इसके साथ ही वह सारी चाँदी और सोना भी जो उनको बाबेल के समस्त प्रान्त में मिला, और लोगों और याजकों द्वारा उनकी इच्छा से दी गई भेंटें भी लाई जा सकें।

एज्रा 7:20

यहूदी लोग परमेश्वर के भवन के लिए आवश्यक अतिरिक्त वस्तुओं का भुगतान कैसे करते?

राजा अर्तक्षत्र ने यह आदेश दिया कि यहूदी अपने परमेश्वर के भवन के लिये जो कुछ भी उन्हें चाहिए, वह अर्तक्षत्र के राज खजाने में से ले सकते हैं।

एज्रा 7:23

अर्तक्षत्र ने ऐसा क्यों कहा कि खजांचियों को भवन के सम्बन्ध में स्वर्ग के परमेश्वर द्वारा दी गई आज्ञा के अनुसार ही कार्य करना चाहिए?

राजा अर्तक्षत्र ने कहा कि खजांचियों को भवन के सम्बन्ध में स्वर्ग के परमेश्वर द्वारा दी गई आज्ञा का ठीक उसी प्रकार से पालन करना चाहिए ताकि परमेश्वर का क्रोध अर्तक्षत्र के राज्य और राजकुमारों पर न भड़के।

एज्रा 7:26

राजा अर्तक्षत्र ने उन सभी लोगों के साथ क्या करने का आज्ञा दी जो एज्रा के परमेश्वर की व्यवस्था और राजा की व्यवस्था को न माने?

अर्तक्षत्र ने आज्ञा दी कि जो कोई एज्रा के परमेश्वर की व्यवस्था और राजा की व्यवस्था को नहीं मानेगा उसको फुर्ती से दण्ड दिया जाए, या तो प्राणदण्ड, या देश निकाला, या माल जप्त किया जाना, या कैद करना।

एज्रा 7:28

एज्रा को किस बात से बल प्राप्त हुआ?

एज्रा को बल प्राप्त हुआ क्योंकि उसने महसूस किया कि उसके परमेश्वर यहोवा की कृपादृष्टि उस पर हुई थी।

एज्रा 8:15

जब एज्रा ने अहवा नदी के किनारे लोगों और याजकों की जांच की, तो एज्रा को क्या नहीं मिला?

जब एज्रा ने अहवा नदी के किनारे लोगों और याजकों की जांच की, तो उसे लेवीय का कोई वंशज नहीं मिला।

एज्रा 8:17

एज्रा ने इद्दो और उसके भाइयों के पास पुरुषों को क्यों भेजा?

एज्रा ने इद्दो और उसके भाइयों के पास पुरुषों को भेजा क्योंकि वह चाहता था कि इद्दो और उसके भाई उसके पास लेवियों को भेजें जो परमेश्वर के भवन के लिये सेवा टहल कर सकें।

एज्रा 8:18

एज्रा ने शेरेब्याह का वर्णन कैसे किया?

एज्रा ने शेरेब्याह को एक सक्षम व्यक्ति के रूप में वर्णित किया।

एज्रा 8:22

एज्रा ने यरूशलेम की यात्रा करते समय यहूदियों की उनके शत्रुओं से बचने के लिये राजा से सिपाहियों का दल और सवार क्यों नहीं माँगे?

एज्रा ने राजा से यहूदियों की यात्रा के दौरान उनके शत्रुओं से बचने के लिये सिपाहियों के दल और सवार की माँग नहीं की, क्योंकि उसे माँगने से लज्जा आ रही थी, क्योंकि यहूदियों ने राजा से कहा था कि उनके परमेश्वर अपने सब खोजियों पर, भलाई के लिये कृपादृष्टि रखते हैं और जो उन्हें त्याग देते हैं, उनका बल और कोप उनके विरुद्ध है।

एज्रा 8:29

उन बारह पुरुषों को सोने और चाँदी की रक्षा कितने समय तक करनी थी?

उन बारह पुरुषों को सोने और चाँदी की रक्षा तब तक करते रहना थी जब तक वे यरूशलेम में यहोवा के भवन की कोठरियों में प्रधान याजकों, लेवियों और इस्राएल के पितरों के घरानों के प्रधानों के सामने उसको तौल न लें।

एज्रा 8:31

एज्रा ने कैसे कहा कि जब वे यरूशलेम की ओर जा रहे थे तो परमेश्वर की कृपादृष्टि उन पर और बाकी यहूदियों पर थी?

एज्रा ने कहा कि परमेश्वर की कृपादृष्टि उस पर और उसके साथी यहूदियों पर थी, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें उनके शत्रुओं से और यरूशलेम की यात्रा के दौरान घात लगाने वालों के हाथ से बचाया था।

एज्रा 8:36

राजा के आदेश किसे दिए जाते थे?

राजा के आदेश महानद के इस पार के अधिकारियों और अधिपतियों को दिए गए थे।

एज्रा 9:2

इस्राएल के लोग दूसरे देशों के लोगों से किस प्रकार से अलग नहीं थे?

इस्राएल के लोग अन्य देशों के लोगों से इस मामले में अलग नहीं थे कि उन्होंने गैर-इस्राएलियों से विवाह किया और अपने बेटों को गैर-इस्राएलियों से विवाह करने की अनुमति दी।

एज्रा 9:3

एज्रा ने लोगों की अविश्वासयोग्यता पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

एज्रा ने अपने वस्त्र और बागे को फाड़ा और अपने सिर और दाढ़ी के बाल नोचे, और विस्मित होकर बैठ गया।

एज्रा 9:6

एज्रा इतना लज्जित और अपमानित क्यों था कि वह यहोवा की ओर अपना मुँह नहीं उठा सका?

एज्रा इतना लज्जित और अपमानित था कि वह यहोवा की ओर अपना मुँह नहीं उठा सका, क्योंकि उसके लोगों का अधर्म और दोष बहुत बढ़ गया था।

एज्रा 9:9

परमेश्वर का भवन बनाने के प्रयास में परमेश्वर ने यहूदी लोगों को क्या दिया?

परमेश्वर ने यहूदियों के प्रति अपनी वाचा को उनका भवन बनाने के प्रयास में विश्वासयोग्य रूप से निभाया।

एज्रा 9:12

परमेश्वर क्यों नहीं चाहते थे कि इस्राएली उस देश के लोगों के साथ ब्याह करें?

परमेश्वर नहीं चाहते थे कि इस्राएली उस देश के लोगों के साथ ब्याह करें, क्योंकि लोगों ने अपने अशुद्ध आचरण और

परमेश्वर की दृष्टि में घिनौने कामों के द्वारा उस देश को अशुद्ध बना दिया था।

एज्रा 9:13

परमेश्वर ने क्या रोक रखा है?

परमेश्वर ने यहूदियों के पापों के अनुसार उनका पूरा न्याय करने से स्वयं को रोक लिया और उन्होंने कृपापूर्वक उन्हें यरूशलेम लौटने और मन्दिर का पुनर्निर्माण करने की अनुमति दे दी।

एज्रा 10:1

एज्रा ने प्रार्थना और पाप का अंगीकार करते समय क्या किया?

जब एज्रा ने प्रार्थना की और पाप का अंगीकार किया, तो वह रोया और परमेश्वर के भवन के सामने पड़ा रहा।

एज्रा 10:3

शकन्याह ने इस्राएलियों को कौन सी वाचा बाँधने को कहा?

शकन्याह ने कहा कि उन्हें अपने परमेश्वर से वाचा बाँधनी चाहिए कि वे सभी अन्यजाति स्त्रियों और उनके बच्चों को दूर कर देंगे।

एज्रा 10:6

एज्रा ने रोटी क्यों नहीं खाई और पानी क्यों नहीं पिया?

एज्रा ने न तो रोटी खाई और न ही पानी पिया क्योंकि वह बँधुआई में से निकल आए हुओं के विश्वासघात के कारण शोक कर रहा था।

एज्रा 10:8

जो भी इस्राएली तीन दिन के भीतर यरूशलेम न आए, उसके साथ क्या होता था?

जो भी इस्राएली तीन दिन के भीतर यरूशलेम नहीं आता था, उसकी समस्त धन-सम्पत्ति नष्ट कर दी जाती थी और उसे बँधुआई से आए हुओं की सभा से अलग कर दिया जाता था।

एज्रा 10:9

कौन सी दो बातें थीं जिनसे परमेश्वर के भवन के चौक में खड़े लोग काँप उठे?

परमेश्वर के भवन के चौक में खड़े सभी लोग इस घटना और भारी वर्षा के कारण काँप उठे।

एज्रा 10:13

इस्राएलियों को अन्यजाति स्त्रियों को विदा करने के लिए और समय क्यों चाहिए था?

इस्राएली अन्यजाति स्त्रियों को विदा करने के लिए और समय चाहते थे क्योंकि लोग बहुत थे, उन्होंने इस मामले में बहुत विद्रोह किया था, और इसलिए, इस प्रक्रिया को पूरा करने में उन्हें एक-दो दिन से ज़्यादा समय लग सकता था। वर्षा का समय था, और उनमें इतनी ताकत नहीं थी कि वे बाहर खड़े होकर यह प्रक्रिया पूरी कर सकें।

एज्रा 10:17

उन इस्राएली पुरुषों के मामले के बारे में जाँच करने में कितना समय लगा जिन्होंने अन्यजाति स्त्रियों को ब्याह लिया था?

इस मामले की पूरी तरह से जाँच करने में दसवें महीने के पहले दिन से लेकर अगले वर्ष के पहले महीने के पहले दिन तक का समय लग गया।

एज्रा 10:19

जो इस्राएली पुरुष अन्यजाति स्त्रियों को अपनी पत्नी के रूप में लेने के दोषी थे, उन्होंने क्या किया?

दोषी इस्राएली पुरुषों ने अपनी अन्यजाति स्त्रियों को निकाल देने का वादा किया, और उन्होंने अपने दोष के लिए झुंड में से एक मेढ़ा बलि किया।